- आतिंग पुं. (तत्.) 1. ढोल का एक प्रकार 2. आतिंगन।
- आलिंगन पुं. (तत्.) 1. गले लगाना, अंक में भर लेना 3. लिपटना, लिपटाना।
- आतिंगित वि. (तत्.) जिसे गले लगाया गया हो, जिसे चिपटाया गया हो।
- आतिंगी वि. (तत्.) आतिंगन करने वाला। पुं. छोटा ढोल।
- आतिंग्य वि. (तत्.) 1. आतिंगन करने योग्य 2. आतिंगन के लिए तैयार 3. प्रेम का अतिरेक प्रकट करने के लिए शारीरिक उत्साह से तत्पर।
- आति पुं. (तत्.) 1. वृश्चिक, बिच्छू 2. अमर, भौरा 3. 'आत' नामक वृक्ष से बनने वाला लाल रंग, शृंगार प्रसाधन स्त्री. (तत्.) सखी, सहेली, साथिन।
- आतिखित वि. (तत्.) 1. आलेख के रूप में लिखित 2. चित्रित 3. संदर्भ के रूप में लिखित।
- आतिप्त वि. (तत्.) 1. तिपा हुआ, पुता हुआ 2. कुछ-कुछ तिप्त।
- आतिम वि. (अर.) विद्वान, पंडित, ज्ञानी।
- आसी स्त्री. (तत्.) 1. सखी, सहेली 2. पंक्ति 3. रेखा 4. बाँघ 5. पुल, सेतु 6. वंश वि. (देश.) आल के रंग का, पीताभ। उपसर्ग (अर.) 1. उँचा 2. बड़ा जैसे- आलीशान।
- आतीजनाब वि. (अर.) मान्य महोदय, आदरणीय, महानुभाव, उच्चपदस्थ तथा सम्मानित व्यक्तियों के लिए संबोधन।
- आसीजाह वि. (अर.) बहुत ऊँचे पद या रुतवे वाला (संबोधन शब्द)।
- आतीढ़ वि. (तत्.) 1. चाटा हुआ 2. भिक्षत पुं. बायां घुटना मोइ कर दाहिने घुटने के बल बैठने की स्थिति।
- आतीन वि. (तत्.) 1. आतिंगित 2. चिपटा हुआ 3. पिघला हुआ पुं. 1. संपर्क 2. सीसा 3. टिन।
- आतीशान वि. (अर.) भव्य, शानदार, बड़ी शानवाला।

- आलुंचन पुं. (तत्.) 1. चीरना, चीर कर टुकडे-टुकड़े करना 2. नोचना।
- आलु पुं. (तत्.) 1. उल्लू 2. आबनूस 3. बेझ 4. एक मूल 5. आलू की तरह का एक फल प्रत्य. (तत्.) युक्त जैसे- दयालु।
- आलुल वि. (तत्.) काँपता या हिलता हुआ, अस्थिर।
- आलुलायित वि. (तद्.) 1. हिलता-डुलता हुआ, लहराता हुआ 2. अस्थिर, क्षुब्ध, चंचल।
- आलुलित वि. (तत्.) क्षुब्ध, अस्थिर, कंपित।
- आलू पुं. (तद्.) एक कंदीय खाद्य वनस्पति जिसकी तनारूपी जड़ें सब्जी के रूप में सर्वत्र लोकप्रिय है, कंदशाक।
- आलूचा पुं. (फा.) एक खट्टा-मीठा, छोटे गोल आकार का हरे रंग का आलूबुखारे जैसा फल और उसका पेड़ जो पश्चिमी हिमालय पर उत्तराखंड से कश्मीर तक होता है। plum
- आलूचॉप पुं. (तद्.+अं.) उबाले हुए आलू को पीस कर गोल या चपटी टिक्की की तरह का कम घी में तला हुआ एक नमकीन खाद्य पदार्थ।
- आलूदम पुं. (तद्.+फा.) उबले हुए साबूत आलूओं का एक स्वादिष्ट व्यंजन।
- आलूदा वि. (फा.) सना हुआ, लय-पथ, किसी तरल द्रव्य से तरातर।
- आल्बाल् पुं. (फा.) आलूचे की तरह का एक पेड़ जिससे गोंद निकलता है।
- आल्बुखारा पुं. (फ़ा.) एक प्रकार का लाल रंग का मीठा, गाल रेशेनुमा गूदे वाला और कठोर गुठली वाला पहाड़ी फल या उसका वृक्ष।
- आलेख पुं. (तत्.) 1. लिखावट, हस्तलिपि 2. लिखा हुआ, लिखित सामग्री 3. निबंध, लेख 4. श्रुतिलेख, श्रुतलेख 5. जो लक्ष्य में न आए, अलक्ष्य।
- आलेखक पुं. (तत्.) 1. आलेखन करने वाला, लेखक 2. चित्रकार।